B.A. I Semester Examination - 2013

Indian Political Thought (Part-I)

Paper - II

Paper Code : AS - 2692

Section - A

Answer Key :-

1) Rigved ऋग्वेद
2) Brahman ब्राह्मण
3) Bal Gangadhar Tilak
बाल गंगाधर तिलक
4) Valentine Shirole
वेलेन्टाइन शिरोल
5) Ram Krishna Paramhans
रामकृष्ण परमहंस
6) Political Science
राजनीति विज्ञान
7) Bal Gangadhar Tilak
बाल गंगाधर तिलक
8) All of these सभी का
9) Dayanand Saraswati
दयानंद सरस्वती
10) बाल गंगाधर तिलक
Bal Gangadhar Tilak

Section – B

Ans:-11 According to Manu, the administrative and judicial System was according;

→ The Policy of Danda, Dharma and Neeti
→ Coercive Power of Government
→ Peaceful Societal Order
→ A Systematic Study of Political Life
→ General Principles and detailed organisation of a specific form of human activity
→ Largely Didactic and Practical
→ Construction of Forts
→ Appointment of Espionage
→ Establishment of court

Conclusion

प्रशासनिक एवं न्याय व्यवस्था का वर्णन अग्र प्रकार ;

दण्ड, धर्म एवं नीति का विधान
सरकार की सामरिक शक्तियों का प्रयोग
सुदृढ़ दुर्गों का निर्माण
गुप्तचर व्यवस्था तथा न्यायालयों की स्थापना
व्यावहारिक तथा उदाहरणपरक न्याय व्यवस्था
राजनीतिक जीवन का व्यवस्थित अध्ययन
शान्तिपूर्ण सामाजिक व्यवस्था का निर्माण
मानवीय क्रियाओं के एक निश्चित स्वरूप का विस्तारपूर्ण संगठन एवं सामान्यीकृत सिद्धान्त
निष्कर्ष

Ans :- 12 - Ideas of Kingship in ancient- India ;

Divine Status of King
Power of Dharm and Danda
Qualities of King and attributes
Responsibilities of and Obligations of King
King as a Father of State
Status of King is divine not his powers
Dedicated life style of a King
Conclusion

प्राचीन भारत में राजा सम्बन्धी विचार ;
राजा की दैवीय स्थिति
दण्ड एवं धर्म की शक्ति का निवास राजा में
राजा के गुण एवं विशेषताएँ
राजा के दायित्व एवं जिम्मेदारियाँ
राजा अपनी प्रजाजनों के लिये पिता के रूप में
राजा की स्थिति दैवीय है परन्तु शक्तियाँ नहीं
राजा का एक समर्पित जीवन शैली
निष्कर्ष

Ans :- 13 - Mandal Theory and its significance in international relations ;

Twelve Types of State ; Vijigeeshu, Ari, Mitra, Ari- Mitra, Mitra- Mitra, Ari Mitra - Mitra, Parshnigrah, Akranda, Parshnigrahsaar, Aakrandasaar, Middle State, Neutral State

Maintenance of International Relations
To study the ever changing behaviour of neighbouring States
Conclusion

मण्डल सिद्धान्त एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के निर्माण में उसका महत्व ;
कौटिल्य के अनुसार पड़ोसी राज्यों की 12 प्रकृतियाँ
विजीगीषु, अरि, मित्र, अरि - मित्र, मित्र - मित्र, अरि - मित्र मित्र, पार्ष्णिग्राह, आक्रंदा, पार्ष्णिग्राहसार, आक्रन्दासार, मध्यम राज्य एवं उदासीन राज्य
अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के निर्माण
पड़ोसी राज्यों के निरन्तर परिवर्तित व्यवहार का अध्ययन करना
निष्कर्ष

Ans:-14-Tilak as an extremist thinker ;
Tilak as a Karmyogi
Opposed to Utilitarian ethics
Opposition of Moderates point of view
Advocacy of Swaraj
Believer in direct political action
Advocacy of Home rule or self government
A Passionate Follower of Bharat Mata
Conclusion

तिलक एक अतिवादी विचारक के रूप मे ;
तिलक की कर्मयोगी की अवधारणा
उपयोगितावादी मूल्यों एवं विचारों का विरोध
उदारवादी विचारकों के मत का विरोध
स्वराज की अवधारणा का समर्थन
प्रत्यक्ष राजनीतिक कार्यवाही में विश्वास
गृह शासन अथवा स्वयं की सरकार का निर्माण
भारत माता के तीव्र उपासक
निष्कर्ष

Ans:- 15 - Gokhale and Brititish Liberalism ;
→ Gokhale : A believer in peaceful and moderate Ideals
→ British Ruling as a boon to our country
→ Honesty and Truthfulness of Britishers
→ Devotion of Britishers to their people
→ Demand for equal rights and behaviour for Indians like England citizen of
→ Welfare Policies in British India
→ Education and Transportation System within country
Conclusion

गोखले एवं ब्रिटिश उदारवाद;

गोखले का शांतिपूर्ण तथा उदारवादी साधनों में विश्वास
ब्रिटिश शासन भारत के लिये एक वरदान के रूप में
अंग्रेजों की ईमानदारी तथा सत्यवादिता पर पूर्ण विश्वास
ब्रिटिश का अपने शासितों के प्रति समर्पण भावना
भारतीय के लिये भी ब्रिटेन वासियों की भांति समान अधिकार एवं व्यवहार की मांग किया जाना
ब्रिटिश भारत में कल्याणकारी योजनाओं का शुभारम्भ
देश में शिक्षा तथा आवागमन के साधनों की व्यवस्था
निष्कर्ष

Ans:— 16 – Contribution of Swami Dayanand Saraswati;

Dayanand as an Illuminated Person
Vedic Philosophy of Dayanand
Religious Ideas of Dayanand
Innovator of Socio-religious Reform Movement in India
Social Thought of Dayanand Saraswati
Political Philosophy of Dayanand
Educational Ideas of Dayanand
Founder of Arya Samaj
Dayanand : Martin Luther King of India
Firm Belief in Unity of God
Satyarth Prakash : A Focus on relation of human soul with God

Conclusion

स्वामी दयानन्द सरस्वती का योगदान ;
दयानन्द एक जागृत व्यक्ति के रूप में
दयानन्द का वैदिक दर्शन
दयानन्द सरस्वती के धार्मिक विचार
दयानन्द तत्कालीन भारत में सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन-कर्ता के रूप में
दयानन्द सरस्वती का सामाजिक चिंतन
सरस्वती का राजनीतिक दर्शन
सरस्वती के शिक्षा सम्बन्धी विचार
आर्य समाज नामक संस्था के स्थापितकर्ता
दयानन्द : भारत के मार्टिन लूथर किंग के रूप में
ईश्वर की सत्ता में दृढ़ विश्वास
सत्यार्थ प्रकाश : मानवीय आत्मा के ईश्वर के साथ सम्बन्ध को प्रकाशित करना
निष्कर्ष

Ans :- 17 -

Essay on Swami Vivekanand's Ideas ;

Vivekanand as a Youth Icon
Vivekanand as a Pious Soul of Modern India
A Propounder of Universal Feature Hindu religion
Religion as a Moral Force
Extreme Interest in Religion and Philosophy
Criticism of Caste System and Untouchability
Favour of Representative Democratic System
Philosophy of Karmyoga
Political Philosophy : Religious Nationalism
Conclusion

विवेकानन्द के विचारों पर एक निबन्ध;

विवेकानन्द युवाओं के एक प्रतिनिधि के रूप में

आधुनिक भारत के एक पवित्र आत्मा के रूप में

हिन्दू धर्म की एक सार्वभौमिक छवि के स्थापितकर्ता

धर्म एक नैतिक बल के रूप में

धर्म एवं दर्शन में तीव्र रुचि

अस्पृश्यता एवं जाति प्रथा के कटु आलोचक के रूप में

प्रतिनिधि लोकतांत्रिक व्यवस्था का जोरदार समर्थन

कर्मयोग का सिद्धान्त या दर्शन

राजनीतिक दर्शन : धार्मिक राष्ट्रवाद का सिद्धान्त

निष्कर्ष